नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

खजुराहो बैठक से निकले संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की खजुराहो में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक केवल सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि विकसित मध्य प्रदेश- 2047 की ठोस नींव रखने का प्रयास है. जिस तरह प्रदेश की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक ढांचा और रोजगार सृजन को लेकर उन्होंने बड़े फैसलों की घोषणा की है, वह बताता है कि सरकार अगले दशक को विकास का 'निर्णायक काल' मानकर आगे बढ़ रही है. सबसे महत्वपूर्ण निर्णय 21 विधानसभा क्षेत्रों में नए औद्योगिक एरिया विकसित करने का है. यह कदम अपने आप में साहसिक है, क्योंकि अब विकास केवल इंदौर-भोपाल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पिछड़े क्षेत्रों तक औद्योगिक विस्तार पहुंचेगा. 6,000 नए एमएसएमई प्लॉट उपलब्ध कराना और अगले तीन वर्षों में 20 लाख रोजगार देने का लक्ष्य बताता है कि सरकार केवल घोषणा नहीं कर रही, बल्कि स्पष्ट समयबद्ध कार्ययोजना के साथ मैदान में उतर रही है.

पिछले दो वर्षों में 2.85 लाख रोजगार का सृजन इस दिशा में आधार बन चुका है. स्टार्टअप इकोसिस्टम को 6,340 से बढ़ाकर 12,000 तक ले जाने का लक्ष्य उस डिजिटल और नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण का संकेत है, जिसकी ओर देश तेजी से बढ़ रहा है. युवा ऊर्जा का उपयोग किए बिना कोई भी राज्य आर्थिक छलांग नहीं लगा सकता, और इस मोर्चे पर सरकार की नीति कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई दे रही है. औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स और निर्यात- इन तीन नई नीतियों का लागू होना वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी जैसा कदम है.

पिछले दो वर्षों में 2.48 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों के लिए भूमि आवंटन पूरा होना और 26 नए औद्योगिक पार्कों का स्वीकृत होना यह दर्शाता है कि प्रशासनिक मशीनरी भी गति में है. ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है. अर्थव्यवस्था का आकार 15 लाख करोड़ से बढ़ाकर 25 .3 लाख करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य निस्संदेह बड़ा है, परंतु असंभव नहीं. इसकी राह निर्यात को 1 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने से होकर गुजरती है. 2024-25 में राज्य का निर्यात 66,218 करोड़ रुपए रहा था, अर्थात वृद्धि की संभावनाएं वास्तविक हैं, बशर्ते छोटे उद्योग, एग्री-बेस्ड यूनिट और फार्मा-कपड़ा जैसे सेक्टरों को स्थायी प्रोत्साहन मिले. महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम की अनुमति देना एक प्रगतिशील निर्णय है. यह न केवल उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ाएगा बल्कि उद्योगों में लैंगिक संतुलन भी मजबूत करेगा.

'उद्योग वर्ष-2025' की घोषणा भी बताती है कि आने वाला वर्ष मध्य प्रदेश के औद्योगिक भविष्य की दिशा तय करेगा. अन्य निर्णयों में 21 दिसंबर से भोपाल मेट्रो शुरू होने का निर्धारण राजधानी की शहरी गतिशीलता को नया आयाम देगा. यह परियोजना लंबे समय से प्रतीक्षित थी और इसके संचालन से शहरी अर्थव्यवस्था में नई तेजी आएगी. सबसे अहम बात, मुख्यमंत्री का बुंदेलखंड पर विशेष जोर. यह क्षेत्र लंबे समय से विकास की पंक्ति में पीछे रहा है. यदि उद्योग, सिंचाई, सड़कें और रोजगार यहां तक पहुंचते हैं, तो यह केवल बुंदेलखंड ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक तस्वीर बदल देगा.

सरकार की मंशा स्पष्ट है,औद्योगिक विस्तार, निवेश आकर्षण और रोजगार वृद्धि को अगले तीन वर्षों में ठोस रूप देना. लेकिन याद रखना होगा कि हर घोषणा की असली कसौटी उसके क्रियान्वयन में होती है. प्रशासनिक समन्वय, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और जमीन आवंटन-परमिशन की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर सख्त निगरानी जरूरी होगी. यदि सरकार अपनी वर्तमान गति बनाए रखती है, तो मध्य प्रदेश न केवल मध्य भारत का औद्योगिक हब बनेगा, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार देगा. यह समय प्रदेश के लिए निर्णायक अवसर है, जिसे खोया नहीं जा सकता.

एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक वंदेमातरम्

आचार्य मनोज दीक्षित
कुलपति, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान

वंदे मातरम भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद का सार है, जो मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम, सांस्कृतिक गौरव और एकता की भावना को दर्शाता है, जिसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने रचा और यह स्वतंत्रता आंदोलन का एक शक्तिशाली मंत्र बन गया, जो हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति का रस भरता है. यह गीत भारत की भूमि, उसकी सुंदरता (सुजलां सुफलां) और शक्ति का वर्णन करता है, जिसे राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान सम्मान प्राप्त है और यह भारत की आत्मा का प्रतीक है.

भारतीय संस्कृति में वंदे मातरम का महत्व- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद-यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पहली उद्घोषणा है, जिसने भारत को एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में परिभाषित किया. प्रेरणा स्त्रोत-इसने स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया और आज भी विकसित भारत के संकल्प में प्रेरणा देता है. यह मातृभूमि को शक्ति, दिव्यता और समृद्धि का प्रतीक मानता है, जिसमें चंदन सी शीतलता और सुस्वादु फल हैं. यह भारत की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है, जो हर भारतीय में गर्व और समर्पण का भाव जगाता है.

इस गीत ने प्रतिरोध की भावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. इन दो शब्दों के उच्चारण मात्र से ही असंख्य भारतीयों के हृदय में हलचल मच गई, जिससे लाखों लोग राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और हजारों लोगों को अपने प्राणों की आहुति देने के लिए प्रेरित हुए. यद्यपि जन गण मन राष्ट्रगान है, फिर भी वंदे मातरम ने लोगों के हृदय में अधिक गहराई से जगह बनाई.

वंदे मातरम केवल मातृभूमि के प्रति अभिवादन का प्रतीक नहीं है, बल्कि राष्ट्र के प्रति त्याग, साहस और सर्वोच्च प्रेम की भावना का भी प्रतीक है. इसके अमूल्य योगदान को स्वीकार करते हुए, 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया.

यह समझना होगा कि वंदे मातरम किसी विशेष धर्म का प्रतीक नहीं है; यह राष्ट्रवाद और उस मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है जो हम सभी का पोषण करती है. वंदे मातरम की महिमा एकता के उसके शाश्वत आह्वान में निहित है. यह हमें याद दिलाता है कि हमारी पहली पहचान एक भारतीय की है, क्षेत्र, जाति या पंथ से ऊपर.

अलगावावादियों ने इसे बंगाल का गीत बताया जबकि बंकिमचंद्र ने खुद स्पष्ट किया था कि माता बंगाल नहीं, भारत है.

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में आनन्दमठ का दूसरा संस्करण प्रकाशित करते समय प्रस्तावना में लिखा- यह समस्त भारतवर्ष की माता के लिए लिखा गया है. (स्रोतः आनन्दमठ, 1882 संस्करण, पृष्ठ 4-5) गीत में एक भी शब्द बंगाल विशिष्ट नहीं है बंकिम ने सप्तकोटि काव्य अलंकार के लिए लिखा, जैसे वेदों में सहस्रशीर्ष लिखा जाता है, न कि सटीक गिनती के लिए). अरविंद ने 1907 में लिखा था- बंकिम ने बंगाल को भारत का प्रतीक बनाया है.

जिस तरह गीता में कृष्ण अर्जुन के माध्यम से समस्त मानवता को उपदेश देते हैं, उसी तरह बंकिम ने बंगाल के माध्यम से समस्त भारत को जागृत किया. (बंदे मातरम् अखबार, 11 अप्रैल 1907) रवीन्द्रनाथ ने 1917 में पुस्तक में लिखा-बंकिम की माता बंगाल की नहीं, सम्पूर्ण भारत की माता है. वह हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैली हुई है. नेताजी ने 1943 में सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार बनाई और पूरे छह छंद वाले मूल वन्दे मातरम् को ही राष्ट्रगान घोषित किया. वहाँ बंगाली, तमिल, पंजाबी, मराठी, मलयाली सब सैनिक एक साथ पूरे गीत को गाते थे.

वंदे मातरम गीत में किसी धर्म विशेष की गंध आने का कोई कारण नहीं है. सुजला, सुफला और शश्या शमाला इस भूमि का कौन सा लाडला सम्मान नहीं करेगा? कौन ऐसी मातृभूमि को नमन नहीं करेगा जो समृद्ध, गुणवान और धन-धान्य से परिपूर्ण है. इस गीत के निहित अर्थ पर विचार करने पर हृदय इस भारत नामक भूमि के प्रति गौरव से भर जाता है.

किसान बिजली कंपनी से कृषि को न्याय

देश में पहली बार महाराष्ट्र सरकार ने अपनी रचनात्मक सोच के तहत खेती-किसानी की जरूरतों के लिए विशेष रूप से किसान बिजली कंपनी बनाने की घोषणा की है. 16,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा आधारित इस योजना के लिए एशियाई इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक ने 1 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है. यह योजना दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएगी. इस योजना की मुख्य बात यह है कि इसमें किसी उद्योग को या घरों को बिजली नहीं दी जाएगी. सिर्फ खेती के लिए किसानों को बिजली उपलब्ध होगी. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि किसान आत्महत्या की मार झेल रहे मराठवाडा, विदर्भ व पश्चिम महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों को यह योजना नवजीवन प्रदान करेगी. सौर ऊर्जा पर आधारित रहने से यह पर्यावरण के अनुकूल रहेगी. कार्बन उत्सर्जन, धुआं, शोर नहीं होगा. डीजल पंपों से छुटकारा मिलेगा. दिन में 8 से 10 घंटे बिजली मिलेगी तथा किसानों का बिजली बिल शून्य के करीब पहुंचेगा. यदि महाराष्ट्र में ग्रीन बिजली का यह प्रयोग सफल रहा तो देश के अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेंगे. यहां उल्लेखनीय है कि विदर्भ में अधिकतर खेती वर्षा पर निर्भर है. सिंचाई की व्यवस्था काफी कम है. गोसीखुर्द परियोजना को आकार लेने में कई दशक लग गए. बिजली कंपनी बनने पर भी सिंचाई के लिए भूजल स्तर सही होना चाहिए. ऐसे प्रयास होने चाहिए जिससे भूजल स्तर में वृद्धि हो. वर्षा जल को रोकने और जमीन में समाने की 'पाणी अडवा, पाणी जिरवा' योजना को भी गति देनी होगी. किसानों के साथ यह भी दिक्कत रही कि कई बार बिजली की रात में सप्लाई होने से रात में जागकर सिंचाई करनी पड़ती थी, लेकिन सौर ऊर्जा वाली योजना शुरू हो जाने से दिन में सिंचाई करना आसान हो जाएगा. सरकार को किसानों की सचमुच चिंता है तो उन्हें कृषि सीजन शुरू होने से पहले सुधरे हुए बीज, खाद तथा कुछ नकद रकम दे ताकि वे कृषि कार्य शुरू कर सकें. उनकी फसलों का उचित मूल्य समय पर दिए जाने की व्यवस्था करनी होगी. अब भी सूदखोर महाजन अपना जाल फैलाए हुए हैं जिनके चंगुल से किसानों को छुटकारा दिलाना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

दिल्ली डायरी

क्या वेंटिलेटर पर है इंडिया गठबंधन?

प्रवेश कुमार मिश्र

लगातार पराजयों का सामना कर रहा इंडिया गठबंधन क्या सच में वेंटिलेटर पर चला गया है? पिछले दिनों काश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दिया गया बयान इन दिनों दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के शिवसेना नेताओं के बयान के बाद बिहार में राजद व कांग्रेस के बीच अनबन, झारखंड में सत्ताधारी जेएमएम के साथ कांग्रेसी मनमुटाव और उत्तर प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी का अकेला बढ़ने के एलान के बाद उमर अब्दुल्ला का बयान इंडिया गठबंधन के भीतर चल रहे उठा-पटक को समझने के लिए काफी है.

चर्चा है कि कांग्रेसी रणनीतिकार खुद इंडिया गठबंधन को एकजुट रखने के पक्ष में नहीं हैं. कांग्रेस भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन के बजाय अपने सहुलियत के हिसाब से राज्यस्तरीय गठबंधन कर राजग के खिलाफ मोर्चा बंदी करने की तैयारी में है. इसलिए लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन की औपचारिक बैठक नहीं हुई है.

नेता प्रतिपक्ष को विदेशी मेहमानों से नहीं मिलने देना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों रूस के राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा के उनकी अनदेखी किए जाने को आधार बनाकर सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि सरकार न तो देश के अंदर और न देश के बाहर विदेशी नेताओं के साथ नेता प्रतिपक्ष से औपचारिक बैठक करने देना चाह रही है. हालांकि उनके आरोप पर सरकार की ओर से कोई सीधी टिप्पणी नहीं की गई है लेकिन इस सवाल के बाद राजनीतिक गलियारों में बहुस्तरीय चर्चा आरंभ हो गई है. क्योंकि पहले की सरकारों द्वारा नेता प्रतिपक्ष को हमेशा महत्व दिया जाता रहा है. हालांकि कांग्रेस नेता शशि थरूर की राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में आयोजित भोज में शामिल होना भी चर्चा का विषय बना हुआ है.

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक गर्मी दिल्ली पहुंची

पश्चिम बंगाल होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. जहां एक तरफ पांच लाख लोगों के साथ गीता पाठ का आयोजन हुआ है वहीं सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के एक निष्कासित विधायक द्वारा पश्चिम बंगाल में करोड़ों के खर्च से नई बाबरी मस्जिद बनाने की घोषणा की गई है. हालांकि पश्चिम बंगाल की राजनीतिक चर्चा सिर्फ वहीं तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी आंच दिल्ली के संसदीय गलियारों में भी महसूस की जा रही है.

भाजपाई व टीएमसी सांसद एक-दूसरे पर धार्मिक भावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाकर अपने अपने पक्ष को बेहतर बताने के प्रयास में हैं. संसद के गलियारों में भी दोनों दलों के सांसद एक दूसरे पर कटाक्षपूर्ण टिप्पणी करते दिख रहे हैं.

उप्र भाजपा अध्यक्ष के नाम पर दिल्ली में चर्चा

भाजपा नेतृत्व द्वारा उत्तर प्रदेश के लिए नामित किए जाने वाले नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर बहुस्तरीय चर्चा हो रही है. संगठन महामंत्री बीएल संतोष द्वारा लगातार दो बार लखनऊ जाकर उक्त नियुक्ति के संदर्भ में कथित तौर पर चर्चा किया जाना और इसी सिलसिले में दिल्ली में मौजूद वरिष्ठ नेताओं के साथ विमर्श पर सबकी नजरें टिकी हुई है.

चर्चा है कि क्षेत्रीय व जातीय समीकरण को आधार बनाकर तैयार किए गए चार नामों के पैनल पर मंथन किया जा रहा है. संभवत: 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए ही भाजपाई रणनीतिकारों के निर्णय पर सबकी नजरें लगी हुई हैं.

क्या नीतीश कुमार के बेटे की होने वाली है राजनीति में इंट्री

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चा हो रही है. कहा जा रहा है कि निशांत को जल्द ही जदयू के संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है. हालांकि जदयू के वरिष्ठ नेताओं के दावों के बीच चर्चा यह भी है कि क्या परिवारवाद के विरोधी रहे नीतीश कुमार अपने सामने बेटे को राजनीति में आने देने के लिए हामी भरेंगे? दिल्ली में मौजूद जदयू के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग को लंबे समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता है इसलिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा नीतीश कुमार के सामने पार्टी की भावना को रखकर सहमति लेने का प्रयास किया जाएगा.

निशानेबाज

गिरते रुपये से नींद में नहीं फर्क आर्थिक सलाहकार का तर्क

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बेपरवाही जताते हुए कहा कि गिरते रुपये से मेरी नींद में खलल नहीं पड़ता. इस बारे में आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'कुछ लोग बहुत निश्चिंत या बेफिक्र होते हैं. कहते हैं कि रोम जलता रहा लेकिन वहां का सम्राट नीरो बांसुरी बजाता रहा. आपने मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' पढ़ी होगी या इसी पर बनी सत्यजीत राय की फिल्म देखी होगी जिसमें दिखाया गया है कि अंग्रेजों की फौज आ पहुंची लेकिन 2 नवाब (संजीवकुमार और सईद जाफरी) शतरंज की बिसात से उठे ही नहीं. इसे कहते हैं बेफिक्री का आलम.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, रुपया गर्म पानी में पड़े स्वेटर के समान सिकुड़ गया लेकिन चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर कहते हैं कि इससे मेरी नींद पर कोई असर नहीं पड़ता. आज के नौजवानों की भाषा में इसे कह सकते हैं. आई एम कूल ! मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता.'

हमने कहा, 'नेताओं और शान से रहने वाले बड़े अधिकारियों का रवैया ऐसा ही रहता है. किसान आत्महत्या करते रहें, बेरोजगारों की कतार रुपया लगती रहे, भ्रष्टाचार शिखर पर जाता रहे, चुनाव में धांधली या वोट चोरी के आरोप लगते रहें, उनकी नींद में कोई व्यवधान नहीं आता. कुंभकर्ण तो 6 महीने सोया रहता था. उसे जगाने के लिए रावण को बहुत कोशिश करनी पड़ी. कुंभकर्ण के कानों के पास नगाड़े बजवाए गए. उसके विशाल शरीर पर हाथी दौड़ाए गए तब कहीं उसकी नींद खुली.'

पड़ोसी ने कहा, 'देश के किसान-मजदूर कड़ी मेहनत के बाद थकान से चूर होकर गहरी नींद में सो जाते हैं. दूसरी ओर बड़े-बड़े उद्योगपति अपने बिजनेस की चिंता में सो नहीं पाते और करवटें बदलते रहते हैं. डॉक्टरों की राय है कि जिस व्यक्ति को कम से कम 7 घंटे अच्छी तरह नींद आती है उसका स्वास्थ्य अच्छा रहता है. रुपया लुढ़के या गिरे, सरकार मान लेती है कि वह कहीं न कहीं अपनी पोजिशन बना लेगा. ट्रंप के टैरिफ की वजह से रुपये का यह हाल है. जहां तक नींद का सवाल है, कहते हैं कि किस-किस की फिक्र कीजिए, किस-किस को रोइए, आराम बड़ी चीज है, मुंह ढक के सोइए !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12106 - डॉ. सागर खादीवाला

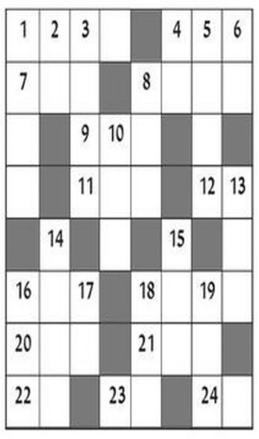

1. पाषाण हृदय, कठोर हृदय (उर्दू) 2. आग की लपट, ज्वाला 3. वह परची जिसके द्वारा बैंक से रुपया मिलता है, चेक (सं.) 4. विस्फोटक पदार्थ का बना हुआ गोला 5. हलका ज्वर, गर्मी (उर्दू) 6. हज्जाम 8. गहरा, जिसका कोई तल न हो 10. गाड़ी रथ आदि चलाना, जानवरों को चलाने या हटाने के लिए आगे बढ़ाना 13. अपनापन, ममता 14. अच्छे रंग का, अच्छे रंग वाला (उर्दू) 15. यात्रियों के ठहरने का स्थान (उर्दू) 16. चिन्ह, लक्षण (उर्दू) 17. सांप 18. किसी का नाम लेकर बुलाने की क्रिया या भाव 19. दया, रहम

बाएं से दाएं
1. भूल आदि सुधारना, प्रस्ताव आदि में कुछ सुधार करने या घटाव-बढ़ाव करने का सुझाव 4. प्रवाहित होना, वहन करना 7. पिघलाना, क्षीण करना, खर्च करना 8. आम का बाग 9. मृत्यु 11. चेहरा, स्वरूप, बनावट (उर्दू) 12. अंधकार, अंधेरा (सं.) 16. मित्र, दोस्त, यार (उर्दू) 18. वह विद्या जिसमें प्राचीनकाल विशेषत: पूर्व इतिहास काल की वस्तुओं की खोज की जाती है 20. एक प्रकार का मृग, बाज, मयूर 21. डरपोक 22. नस (उर्दू) 23. बुखार 24. जो महंगा न हो

ऊपर से नीचे

Solution 12105

वि	ज	न	■	बा	धा	■	क
मा	या	व	ती	■	म	दी	ना
न	■	नी	र	ज	■	वा	त
■	शी	त	■	च	य	न	■
ता	श	■	पा	की	ज	गी	■
रा	म	ली	ला	■	मा	■	वि
प	ह	ला	■	अ	न	मे	ल
थ	ल	■	व्य	ग्र	■	धा	य

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में विशेष परिश्रम करना होगा. वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा. आर्थिक लाभ होगा. व्यर्थ वाद विवाद रहेगा. मित्र के कारण कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा. वर्ष के मध्य में मतभेद रहेगा. पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी. मान सम्मान के प्रतिसतर्क रहें. स्वजनों से मतभेद होगा. शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी. वर्ष के अन्त में शासन सत्ता का लाभ होगा. व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ मिलेगा. सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थिति में सुधार होगा. शिक्षा में सफलता मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में रूचि रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा. मानसिक चिन्ता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, सुखी,व्यक्तित्ववान होगा. स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, अपनी मनमर्जी का मालिक होगा, कामकाज में निपुण, खेलों के प्रति रूचि रहेगी. किसी कला में उन्नति करेगा, साहित्य के क्षेत्र में रूचि रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

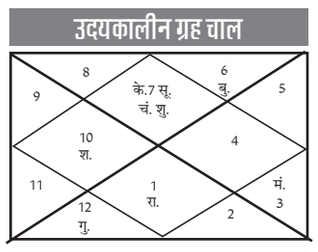

पंचांग

रा.मि. 19 संवत् 2082 पौष कृष्ण षष्ठी बुधवासरे रात 7/10, आश्लेषा नक्षत्रे दिन 8/2, वैधृति योगे शाम 6/35, गर करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार कर्क दिन 8/2 से सिंह, शु.रा. 5, 7, 8, 11, 12, 3 अ.रा. 6, 9, 10, 1, 2, 4 शुभांक- 7, 9, 3.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण षष्ठी को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, अरंडी, गुड़, खांड, बिनौला, मूँगफली, घी, तेल, में तेजी होगी, रूई, कपास से बनी वस्तुओं, चंदन के भाव में तेजी होगी. भाग्यांक 7586 है.

मेष- भावनाओं पर काबू रखें,लोग मजाक उड़ायेंगे, जीवनसाथी के व्यवहार से दुख होगा, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, खर्च की अधिकता रहेगी.

वृषभ- काम समय पर पूरा कर लें, मामूली बात से गलतफहमी होगी, लेखनादि के कार्यों में सफलता मिलेगी, धार्मिक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है.

मिथुन- पूर्व में की गई मेहनत रंग लायेगी, मन में हर्ष और उत्साह रहेगा, शत्रुओं पर विजय मिलेगी, भागदौड़ रहेगी, व्यर्थ की चिन्ता हो सकती है.

कर्क- मित्रों के साथ मनोरंजक यात्रा हो सकती है, स्वास्थ्य का ध्यान रखकर कार्य करें, पारिवारिक चिन्ता रहेगी, सोचे हुये कार्य बनेंगे.

सिंह- सकारात्मक सोच लाभकारी रहेगी, अपनों साथ उत्साह वृद्धि करायेगा, नया कार्य सामने आयेगा, अनावश्यक विवाद को टालें.

कन्या- आप अपनी गलती मानकर समस्या सुलझा लेंगे, सामाजिक कार्य बनेंगे, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, प्रयासों में सफलता मिलेगी.

तुला- पारिवारिक कलह मन अशांत कर सकता है, सोच समझकर नया कार्य करें, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, नौकरी में लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी.

वृश्चिक- रचनात्मक कार्यों में मौलिक सूझबूझ का लाभ मिलेगा, विकल्प लाभकारी होगा, शुभ कार्यों में खर्च होगा, नई दिशा में किया गया कार्य सफल होगा.

धनु- नए समझोते लाभकारी रहेंगे, जीवनसाथी की भावनाओं का ख्याल रखें, विरोधियों का पराभव होगा, यात्रा सुखद एवं महत्वपूर्ण रहेगी.

मकर- आप जिसे घाटे का सौदा समझ रहे थे, उसमें अच्छा लाभ होगा, टकराव से बचने का प्रयास करें, यश मिलेगा. मान सम्मान प्राप्त होगा.

कुम्भ- मित्रों की कहासुनी से दुख होगा, काम बनाने परिश्रम अधिक करना पडेगा, कुटुम्बियों से सुख प्राप्त होगा, मनोरंजन पूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी.

प्रभावशाली लोगों से संबंध बढ़ेंगे, किसी के सहयोग से निजी कार्य बनेंगे, कामकाज पूरा होगा, कोर्ट कचहरी आदि कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

SUDOKU 7238

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7237

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7